BALRAM SEEDS

जीरा की उत्तम फसल हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

शीर्षक	विवरण
भूमि	अच्छी जल निकासी वाली रेतीली, दोमट और मध्यम काली मिट्टी उपयुक्त होती है।
बुआई का समय	नवम्बर का पहला पखवाड़ा
बीज कि.ग्रा./ हेक्टर	10 से 12
रोपण दुरी (सेमी)	कतार पक्तियों के बीच 30 सेमी.
भूमि की तैयारी	हेंरो या देसी हल से 2-3 बार जुताई करके मिट्टी को अच्छी तरह जोत लिया जाता है। पिछली फसल के ढेलों को इकट्ठा करके खेत से हटा देना चाहिए।
बीजोपचार	सेरेसन या थायरम या ड्रेफोल्टन @ 3.0 ग्राम प्रति किग्रा की दर से उपचार करें।
बुआई की विधि	बीजों को पंक्तियों में या छिड़काव द्वारा बोया जा सकता है।
जैविक खाद (टन/ हेक्टर)	15 टन खाद
रासायनिक खाद (कि.ग्रा./ हेक्टर)	कुल:- 40:15:00 (एनपीके) आधारिक:- 13.5:00:00 (एनपीके) पूर्ति:- 26.5 न.
बुवाई	उसे 10 वे और 30वें दिन दो बराबर किस्तों में बुवाई करें।
पियत	जीरे को 4-5 सिंचाई की आवश्यकता होती है। फूल आने के बाद सिंचाई ना करे
निराई	जीरे की फसल को 45 दिनों तक खरपतवार मुक्त रखना महत्वपूर्ण है। आवश्यकतानुसार 25-30 और 40 दिन दो बार निराई करे। बुवाई के बाद अंकुरण से पहले नवीं वाली मिट्टी पर पेंडीमेथालिन 1 किग्रा/हेक्टर का समान रूप से छिड़काव करे।
रोग नियंत्रण	छाला:- उच्च आर्द्रता वाली फसलों के आसपास बुवाई न करें। छोटे और सपाट क्यारी बनाये जब फसल 45 दिन की हो जाए तो 35 ग्राम मैन्कोजेब 75 WP को 10 लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर 4 बार छिड़काव करे।
कीट नियंत्रण	मोलोमाशी:- 10 मिली मिथाइल-ओ-डाइमेथोएट या 10 मिली डाइमेथोएट को 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करे। जेसीड:- 10 मिली मिथाइल-ओ-डिमेटोन या 10 मिली थायोमेटोन को 10 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
कटाई	जीरे की फसल 105 से 110 दिनों में पक जाती है। बीजों को खराब होने से बचाने के लिए ओस के सूखने से पहले या सुबह के समय कटाई कर लें। कटाई के बाद, पौधों को एकत्र किया जाता है, एक साफ और कठोर खलिहान में लाया जाता है, दो से तीन दिनों तक सुखाया जाता है, और साफ करने के लिए एक छड़ी या थ्रेसर की मदद से दाने को अलग किया जाता है।

नोंध : ऊपर की जानकारी कंपनी के रिसर्च सेन्टर में हुए टेस्टींग के आधार पर है, खेतकाम, पानी, जमीन और मौसम जैसे कारको में कम - ज्यादा हो सकता है।

BALRAM AGRI BUSINESS PVT LTD

eMail : balram.agri@yahoo.in

web : www.balramseeds.com